इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)

मध्यमा अंतिम वर्ष

विषय : तबला

अंक विभाजन पत्रक (प्रायोगिक)

वर्ष– 200

पूर्णांक– 125

न्यूनतम उत्तीर्णांक– 41

केन्द्र का नाम : ------------------------------------ समय– 30 मिनट

क्रमांक	पाठ्यक्रम	पूर्णांक	Roll No.	Roll No.	Roll No.	Roll No.	Roll No.
1–	तीनताल में लहरे के साथ पेशकार, कायदे, रेले, मुखड़े, तिहाई, सरल परन, चक्रदार परनों के साथ स्वतंत्र वादन, ताली देकर पढ़ना।	50					
2–	निम्नलिखित को चार–चार पल्टे सहित बजाना– (अ) धाऽत्रक धिनगिन धागेत्रक धिनगिन धागेनाधा त्रकधिन धागेत्रक तिनकिन (ब) धाऽतिर किटतक धिरधिर किटतक धाऽतिर किटतक तीना किटतक (स) धीऽक धीना तिरकिट धीना धागे नति ऽकती नाड़ा।	15					
3–	रूपक और झपताल में सम से सम तक तिहाई तथा सरल परन, लहरे के साथ बजाना।	15					
4–	चौताल, धमार, सूलताल इन तालों को खुले हाथ से तबले पर बजाना तथा पाठ्यक्रम के सभी तालों को हाथ से ताली देकर बोलना एवं तबले पर बजाना।	15					
5–	दादरा , कहरवा में चार–चार लग्गियां तथा तिहाई।	10					
6–	एकताल, तिलवाड़ा के ठेकों को विलंबित लय में बजाना	10					
7–	तीनताल, एकताल का द्रुत ठेका तैयारी के साथ बजाना।	10					
	योग–	125					

स्थान---------------

दिनांक---------------

परीक्षक के हस्ताक्षर

नाम एवं पता–